तबाही के बाद अब महामारी की दस्तक

केंद्र से दो दल पहुंचे, हर जिले में रैपिड रिस्पांस टीम तैनात। उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग और हरिद्वार में डायरिया के रोगी मिले। वायरल फीवर, निमोनिया, फेफड़ों के संक्रमण का खतरा। कुछ डॉक्टरों की ओर से प्लेग की भी आशंका जताई गई।

अमर उजाला ब्यूरो

देहरादून। हिमालयन सुनामी से तबाही के बाद पहाड़ों पर अब महामारी का खतरा बढ़ गया है। शवों के सड़ने से महामारी से आशंकित स्वास्थ्य विभाग भी ने अब बीमारियों से निपटने की कवायद तेज कर दी है। रोकथाम के लिए रुद्रप्रयाग, उत्तरकाशी और हरिद्वार में इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस प्रोग्राम शुरू किया है। आपदाग्रस्त जिलों में अलर्ट जारी किया गया है। इस बीच राहत कार्य बारिश के चलते बाधित हुआ। बदरीनाथ धाम में अब भी साढ़े सात हजार से ज्यादा लोग फंसे हैं। इनमें लगभग साढ़े चार हजार तीर्थयात्री और बाकी स्थानीय लोग हैं।

पहाड़ों पर प्रलय
देखें पेज- 13,14,16,17

पहाड़ पर आई आपदा में इनसानों के साथ बड़ी संख्या में जीव-जंतु भी मरे हैं। इनमें रोडेंट्स की संख्या अधिक है। इससे डायरिया, वायरल फीवर, निमोनिया, फेफड़ों के संक्रमण के साथ प्लेग के फैलने का खतरा भी है। डॉक्टरों का कहना है कि अक्सर भूकंप, बाढ़, भूस्खलन सरीखी आपदा आने के बाद प्लेग का खतरा बढ़ता है। उत्तरकाशी में सात-आठ साल पहले प्लेग के मरीज मिलने की वजह से माना जा रहा है कि पहाड़ों पर प्लेग फैलाने वाला परजीवी हो सकता है। राज्य में तीन स्थानों अलवलपुर (हरिद्वार), उडवी (उत्तरकाशी) और चंद्रपुरी (रुद्रप्रयाग) में डायरिया के मामले सामने आए हैं।

केंद्र सरकार ने महामारी पर नियंत्रण के लिए अब तक दो दल राज्य में भेजे हैं। नेशनल वेक्टर बोर्न डिजीज कंट्रोल प्रोग्राम का एक विशेषज्ञ भी स्वास्थ्य विभाग में तैनात किया गया है।

शेष पेज 13

उठाए गए कदम

- अब तक 21000 किलो ब्लीचिंग, 10500 किलो चूना पाउडर भेजा
- 14 लाख क्लोरीन गोलियां प्रभावित क्षेत्रों में भेजी
- 409 चिकित्सक आपदा प्रभावित क्षेत्रों में तैनात

ये रोग फैले हैं

वायरल फीवर, उल्टी-दस्त, डायरिया, निमोनिया, सांस की एलर्जी, छाती का संक्रमण, टाइफाइड, शरीर की त्वचा का फटना, आंखों में लाली

इन रोगों का खतरा

प्लेग, लैप्टोस्पायरोसिस, मलेरिया, गैस्ट्रोइंटाइटिस, कालाजार, वायरल इंसेफ्लाइटिस

अमर उजाला फाउंडेशन उत्तराखंड रिलीफ फंड

पिछली प्राप्त राशि - ₹14,13,077

25 जून को प्राप्त राशि - ₹9,52,272

25 जून तक कुल ₹23,65,349

AMAR UJALA FOUNDATION

दुर्घटना से भी नहीं डिगा जवानों का हौसला

- **कुल 2050 लोग बुधवार को हर्षिल, बदरीनाथ, लामबगड़ और अन्य जगहों से बचाए गए**
- **बदरीनाथ में 7500, हर्षिल में 400 अब भी फंसे**

देहरादून (ब्यूरो)। खराब मौसम और मंगलवार की हेलीकॉप्टर दुर्घटना भी सेना-वायुसेना के जवानों के हौसले पर असर नहीं डाल पाई है। बुधवार की भी शुरुआत खराब मौसम से हुई। हल्की बारिश, बादल और धुंध ने बचाव कार्य में बाधा डाली। फिर भी जगह-जगह फंसे लगभग 2000 से ज्यादा लोग हेलीकॉप्टर और पैदल मार्ग से शाम तक निकाले गए। हालांकि ताजा आंकड़ों के मुताबिक बदरीनाथ धाम में अब भी साढ़े सात हजार से ज्यादा लोग फंसे हैं। इनमें लगभग साढ़े चार हजार तीर्थयात्री और बाकी स्थानीय लोग हैं। जबकि मंगलवार को शासन ने इनकी संख्या चार हजार बताई थी। 400 लोग अब भी हर्षिल में फंसे हैं। बदरीनाथ और अन्य जगहों पर फंसे लोग अब धैर्य भी खो रहे हैं। मौसम विभाग की मानें तो बृहस्पतिवार को भी मौसम खराब रहने की आशंका है। लामबगड़ में अलकनंदा नदी पर लोहे का फुट ब्रिज बनने से बचाव अभियान में तेजी आई है। अलकनंदा के तट पर सैकड़ों लोग वहां से निकाले जाने के इंतजार में हैं। रविवार को इस पुल से 450 लोग सुरक्षित जोशीमठ पहुंचाए गए।